तापमान
अधिकतम 30.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
# रत्न भूमि
रायपुर, सोमवार 6 जुलाई 2026

राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर

प्रवेश प्रारंभ
B.P.Ed., B.P.E.S.,
BCA, Bsc. (CS/IT),
B.Com., PGDCA, DCA
PG Diploma in Yoga Edu.
AICTE एवं NCTE से मान्यता प्राप्त
(पं. र.वि.वि. रायपुर से सम्बद्ध)
नेताजी सुभाष कॉलेज बेलभाठा, अभनपुर
मो.न. - 8103982557

## खबर संक्षेप

### सड़क के किनारे खड़े बोर वाहन से बस की टक्कर, तीन घायल

**महासमुंद।** सड़क किनारे खड़े बोर वाहन से बस के टकरा जाने से तीन यात्री घायल हो गए। घटना बसना से बिलाईगढ़ रोड ग्राम भालूपतेरा के पास की है। रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। बसना पुलिस ने बताया कि ग्राम अमलीडीह (पिथौरा) के परमानंद यादव ने एफआईआर लिखाई है कि 10 जून को वह अपने पिता लक्ष्मण यादव के साथ बहन चित्ररेखा यादव के इलाज के लिए बिलासपुर गया था। वापस आते समय बिलाईगढ़ से बसना आ रही राजधानी बस क्रमांक सीजी 04 ई 1591 में सवार होकर वे बसना आ रहे थे। शाम करीब 07 बजे बसना से बिलाईगढ रोड ग्राम भालूपतेरा के पास पहले से रोड किनारे खड़े बोर वाहन क्रमांक सीजी 06 जीआर 3880 को बस चालक ने टक्कर मार दिया। घटना में परमानंद, उसके पिता और बहन को चोटें आई। इसके अलावा बस में सवार अन्य लोगों को भी चोटें आई। जिन्हें इलाज के लिए एम्बुलेंस के माध्यम से सीएचसी बसना लाया गया।

**रेस्क्यू : गहरी नींद में थे मजदूर, सुबह 4 बजे नदी ने लिया विकराल रूप**

# बगनई नदी उफान पर, पुलिया के नीचे बाढ़ में फंसे 14 मजदूरों का रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद/छुरा

जिले में रविवार तड़के हुई मूसलाधार बारिश के बाद बगनई नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इससे छुरा विकासखंड के विजयपाल गांव के पास निर्माणाधीन पुलिया के नीचे बनी अस्थायी झोपड़ियों में रह रहे 14 मजदूर बाढ़ के पानी से चारों ओर से घिरकर फंस गए। सूचना मिलते ही छुरा पुलिस और महासमुंद से पहुंची एसडीआरएफ टीम ने संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय पर हुई कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब 4 बजे लगातार बारिश के कारण बगनई नदी उफान पर आ गई। निर्माणाधीन पुलिया में कार्यरत मजदूर पुल के नीचे अस्थायी झोपड़ियां ⏭शेष पेज 10 पर

### उफनती नदी के बीच छुरा पुलिस और सीडीआरफ का संयुक्त अभियान

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि समय पर सूचना मिलने और पुलिस व सीडीआरफ की त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई के कारण सभी मजदूरों की जान बचाई जा सकी। रेस्क्यू अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रशासन ने जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए लोगों से नदी-नालों, पुल-पुलियों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। साथ ही निर्माण स्थलों और नदी किनारे अस्थायी रूप से रहने वाले श्रमिकों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके। इस सफल रेस्क्यू अभियान के बाद विजयपाल सहित आसपास के ग्रामीणों ने छुरा पुलिस और सीडीआरफ की टीम की तत्परता, साहस और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि राहत दल समय पर नहीं पहुंचता तो यह घटना बड़े हादसे में बदल सकती थी।

## सारागांव मार्ग की पुलिया बही, ओडिशा को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग बंद

**छुरा।** क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। भारी बारिश के चलते सारागांव मार्ग की पुलिया बह जाने से दर्जनों गांवों का ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिया बहने के कारण कोसमी, नवापारा, सारागांव, दुल्ला, चुरकीदादार और बम्हनी सहित कई गांवों के लोगों की आवाजाही बाधित हो गई है। वहीं, ओडिशा से जुड़ने वाला प्रमुख और आसान मार्ग भी बंद हो जाने से हजारों लोगों पर इसका सीधा असर पड़ा है। रविवार सुबह से ही पुलिया के दोनों ओर ग्रामीणों और राहगीरों की लंबी कतारें लग गईं। लोग आवश्यक कार्यों के लिए निकल तो रहे हैं, लेकिन रास्ता बंद होने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है या फिर लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाने को मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पुलिया की शीघ्र मरम्मत अथवा अस्थायी वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि आवागमन जल्द से जल्द सुचारु हो सके। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए क्षेत्र के अन्य नदी-नालों और पुल-पुलियों पर भी खतरा बना हुआ है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

- दर्जनों गांवों का ब्लॉक मुख्यालय से टूटा संपर्क

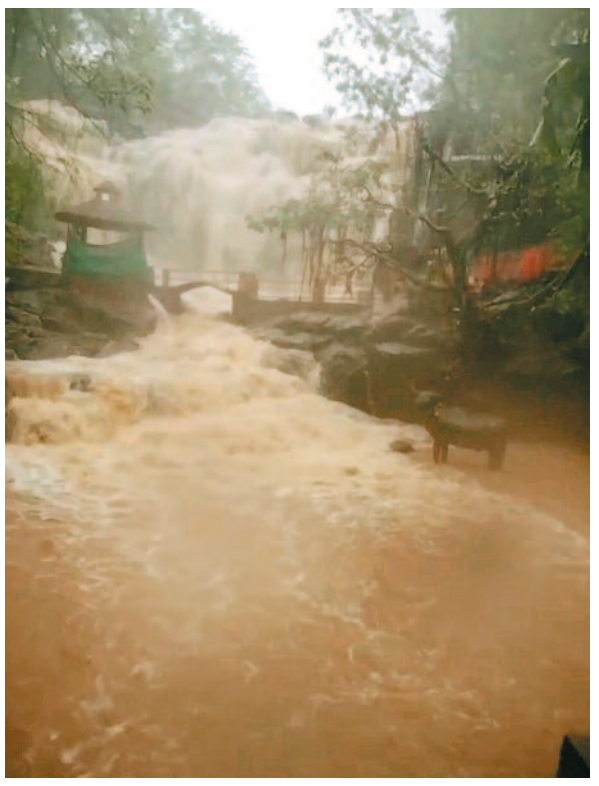

## घटारानी के 52 फीट ऊंचे झरने ने लिया रौद्र रूप

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा बेलर

क्षेत्र का सुप्रसिद्ध धार्मिक आस्था का केंद्र और छत्तीसगढ़ का प्रमुख पर्यटन स्थल 'घटारानी' मानसून के आगमन के साथ ही एक बार फिर जीवंत हो उठा है। वैसे तो यह स्थान सालभर अपनी प्राकृतिक छटा से लोगों को आकर्षित करता है, लेकिन आषाढ़ माह की पहली ही दमदार बारिश के बाद यहाँ स्थित 52 फीट ऊंचा झरना अपने पूरे यौवन पर आ चुका है, जिसका रौद्र और मनोहारी रूप पर्यटकों का मन मोह रहा है।

बादलों के बरसते ही विंध्यवासिनी पहाड़ियों से उतरती जलधारा दूधिया फुहारों के साथ जब विशाल शिलाखंडों से टकराती है, तो ऐसा गुंजायमान नाद उत्पन्न होता है मानो प्रकृति स्वयं शंखनाद कर रही हो। झरने की कल-कल और गर्जना दूर-दूर तक सुनाई दे रही है। चारों ओर फैली हरी-भरी वादियों की चादर, भीगे जंगलों की सोंधी महक और ठंडी हवाओं के झोंकों ने इस पूरे अंचल को स्वर्गिक छटा प्रदान कर दी है। यह पावन स्थल केवल प्राकृतिक सौंदर्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ स्थित प्राचीन मंदिर में विराजमान माता घटारानी के प्रति भक्तों की अटूट आस्था है। सावन-भादो के महीनों में यहां न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि देश भर से शिवभक्त और मातृभक्त पहुँचते हैं। मंदिर परिसर में दुर्गा माता, लक्ष्मी माता, कुबेर देव, बजरंग बली और शनिदेव के साथ ही आदिवासी समाज के इष्टदेव 'बूढ़ादेव' का भी मंदिर स्थित है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र है। लोग माता के दर्शन करने के बाद झरने के निर्मल और पवित्र जल में स्नान कर पुण्य लाभ ⏭शेष पेज 10 पर

### फिसलन भरी चट्टानों से दूर रहें सैलानी

बढ़ती भीड़ को देखते हुए स्थानीय मंदिर समिति, वन विभाग और पुलिस प्रशासन ने पर्यटकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस विभाग ने कहा है कि झरने का बहाव बेहद तेज है और चट्टानों पर कवक (काई) जमने से भारी फिसलन है; इसलिए कोई भी पर्यटक प्रतिबंधित और डेंजर जोन की ओर न जाए। बच्चों पर विशेष नजर रखने की हिदायत दी गई है। सुरक्षा के मद्देनजर वन विभाग और पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है ताकि सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे। सच ही कहा गया है जहां आस्था का दीप जलता है, वहीं प्रकृति का सौंदर्य भी मुस्कुराता है।

## खबर संक्षेप

### कोपरा के होनहार कथक नृत्य में प्रथम

**कोपरा।** भिलाई स्थित एसएनजी स्कूल में 3 एवं 4 जुलाई को आयोजित ऑल इंटरस्कूल एवं ओपन नेशनल प्रतियोगिता में नगर पंचायत कोपरा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया।
प्रतियोगिता में शिक्षा पब्लिक स्कूल, कोपरा तथा आराध्या एकेडमिक के कथक नृत्य विद्यार्थियों निहारिका साहू, यशस्वी यादव, टिकेश्वरी यादव, आराध्या झा, डिंपल मरकाम एवं अक्षया साहू ने इंटरस्कूल कथक नृत्य प्रतियोगिता में शानदार प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, ईशान साहू ने ड्राइंग प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए तृतीय स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों ने अपनी कथक गुरु निधि झा के मार्गदर्शन और निरंतर प्रशिक्षण को दिया। गुरु निधि झा के कुशल निर्देशन में विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कोपरा नगर को गौरवान्वित किया।

### चार विद्यार्थियों का नवोदय में चयन

**फिंगेश्वर।** जवाहर नवोदय विद्यालय की लैटरल प्रवेश परीक्षा में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परसदा जोशी के चार प्रतिभाशाली विद्यार्थी संध्या साहू,पायल साहू, तुलसी साहू, भूमिका निषाद का चयन होने पर विद्यालय, अभिभावक एवं क्षेत्रवासियो में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर संस्था के प्रधान पाठक पूरन लाल साहू ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता निरंतर परिश्रम, गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सतत सहयोग का परिणाम है। इसके अलावा फिंगेश्वर विकासखंड से पांच विद्यार्थियों का लैटरल परीक्षा में चयन हुआ है जिनमें दिव्यांश सुरसाबांधा, लोकांक्षा साहू सिंधौरी, मनीष कंवर, सुनयना सतनामी पतोरा एवं तेजस्विनी ध्रुव पूर्व माध्यमिक शाला किरवई शामिल है। इन विद्यार्थियों के उपलब्धियों पर राजिम विधायक रोहित साहू विकासखंड शिक्षा अधिकारी हेमंत कुमार साहू, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी देवेंद्र बहल, अनिल ध्रुव, विकासखंड स्रोत समन्वयक सुभाष शर्मा, संस्था के प्रधान पाठक पूरन लाल साहू, डेलेंद्र कुमार साहू, चंदन लाल सोनी, ज्योति गुप्ता, व्याख्याता पूरन लाल साहू (बिजली), शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष, सदस्य एवं ग्रामवासियों ने इन सभी चयनित विद्यार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना की है।

**पहल :** हाथियों के गोबर से आबाद नए जंगल, उदंती सीतानदी में शुरू हुई एलीफेंट रेस्टोरेंट की अनोखी पहल

# एआई से होगी हाथियों की ट्रैकिंग, गोबर से बनेंगे एलीफेंट और हॉर्नबिल रेस्टोरेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

**एआई से हाथियों की निगरानी, अब जंगलों का पुनर्जीवन भी**

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में 40 से अधिक जंगली हाथियों की निगरानी के लिए स्थानीय ग्रामीणों को एलीफेंट ट्रैकर्स के रूप में नियुक्त किया गया है। हाथियों की वास्तविक समय की लोकेशन दर्ज करते हैं, जिससे आसपास के गांवों को समय रहते अलर्ट मिल जाता है और मानव–हाथी संघर्ष की घटनाओं में कमी आई है। अब यही ट्रैकर्स हाथियों के पारंपरिक आवागमन मार्गों से ताजा गोबर एकत्र कर उसमें स्वाभाविक रूप से अंकुरित पौधों को सुरक्षित निकाल रहे हैं। निरीक्षण के दौरान हाथियों के गोबर से आम, कुम्ही और केरमेट्टा जैसी प्रजातियों के पौधे स्वाभाविक रूप से उगते पाए गए। इन्हें सुरक्षित स्थानों पर प्रतिरोपित कर "एलीफेंट रेस्टोरेंट" विकसित किए जा रहे हैं, ताकि भविष्य में हाथियों को जंगल के भीतर ही उनकी पसंद का प्राकृतिक भोजन उपलब्ध हो सके।

उदंती- सीतानदी टाइगर रिजर्व में वन्यजीव संरक्षण और पारिस्थितिक पुनर्स्थापन की दिशा में एक अनूठी पहल शुरू की है। यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हाथी ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग अब केवल हाथियों की निगरानी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए जंगलों के प्राकृतिक पुर्नजीवन का अभियान भी चलाया जा रहा है। इस अभिनव पहल के तहत हाथियों के गोबर को प्राकृतिक बीज भंडार के रूप में इस्तेमाल कर "एलीफेंट रेस्टोरेंट" विकसित किए जा रहे हैं, वहीं हॉर्नबिल पक्षियों के लिए "हॉर्नबिल रेस्टोरेंट" तैयार किए जा रहे हैं। यह पहल छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड के सदस्य गौरव निहलानी के सुझाव एवं सहयोग से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक, स्थानीय समुदाय और प्रकृति के समन्वय से जैव विविधता को बढ़ावा देना और मानव–हाथी संघर्ष को कम करना है।

**हॉर्नबिल पक्षियों के लिए भी तैयार हो रहे रेस्टोरेंट–** इसी तर्ज पर हॉर्नबिल पक्षियों के लिए भी भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पिछले तीन महीनों से स्थानीय ट्रैकर्स केरमेट्टा, पाकड़, पीपल, बरगद और जंगली जामुन के बीज एकत्र कर रहे हैं। इन बीजों को उपयुक्त स्थानों पर रोपित कर "हॉर्नबिल रेस्टोरेंट" विकसित किए जा रहे हैं, जिससे हॉर्नबिल सहित अन्य फलभक्षी पक्षियों को वर्षभर प्राकृतिक भोजन मिल सके।

**डेटा आधारित चयन, जहां जरूरत वहीं पौधारोपण–** वन विभाग के अनुसार पौधारोपण किसी अनुमान के आधार पर नहीं किया जा रहा है। प्राप्त हाथियों के मूवमेंट डेटा और हॉर्नबिल ट्रैकर्स की जानकारी के आधार पर उन क्षेत्रों की पहचान की जाती है, जहां वन पुर्नस्थापना का सबसे अधिक सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इससे वन्यजीवों के लिए भोजन संसाधन उन्हीं क्षेत्रें में विकसित किए जा रहे हैं, जहां उनकी वास्तविक आवश्यकता है। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य जंगलों के भीतर हाथियों के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराना है, ताकि वे भोजन की तलाश में गांवों और खेतों की ओर न आएं। इससे फसल नुकसान और मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं में प्राकृतिक रूप से कमी आने की उम्मीद है। जो ग्रामीण कभी हाथियों की आवाजाही से प्रभावित होते थे, वही आज एलीफेंट ट्रैकर्स, जैव विविधता संरक्षक, बीज संग्राहक और आवासपुर्नस्थापनाकर्ता की भूमिका निभा रहे हैं। उनका पारंपरिक ज्ञान और प्रकृति आधारित निगरानी प्रणाली मिलकर सामुदायिक संरक्षण का एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत कर रही है। हाथियों की गतिविधियों के साथ उनके भोजन संबंधी व्यवहार का भी रिकॉर्ड दर्ज किया जाता है। हजारों फील्ड रिकॉर्ड के विश्लेषण से सामने आया है कि छत्तीसगढ़ के हाथी केवल महुआ ही नहीं, बल्कि तेंदू की पत्तियां एवं जड़ें, बांस की कोपलें, साल तथा कई अन्य देशज वनस्पतियों को भी पसंद करते हैं। कुल्हाड़ीघाट परिक्षेत्र में हाथियों के गोबर से आम, कुम्ही और केरमेट्टा के पौधों का स्वाभाविक अंकुरण इन निष्कर्षों की पुष्टि भी करता है। वन विभाग का कहना है कि ।प आधारित आंकड़ों, फील्ड डेटा और प्राकृतिक बीज प्रसार को एक साथ जोड़कर "एलीफेंट रेस्टोरेंट" विकसित करने की यह पहल संभवतः देश की पहली वैज्ञानिक पहल है, जो हाथियों के आवास को समृद्ध करने के साथ–साथ मानव–हाथी संघर्ष को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

### प्राची सोनकर सम्मानित

**नवापारा राजिम।** वार्ड नंबर 2 निवासी किशोर सोनकर की पुत्री कुमारी प्राची सोनकर को विकासखण्ड स्तरीय मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम एवं राष्ट्रीय सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति कक्षा 8वी इंस्पायर्ड अवार्ड की मुख्य परीक्षा में चयनित होकर विकासखंड अभनपुर एवं जिला रायपुर को गौरवान्वित किया है। इस छात्रा को विधायक इन्द्रकुमार साहू एवं जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। छात्रा प्राची को नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी संजय साहू भाजपा मण्डल अध्यक्ष नागेन्द्र वर्मा ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की है ।

# बच्चे नियमित शाला आएं और पढ़ाई करें : भागवत

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

3 जुलाई को नगर के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय फिंगेश्वर में शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम हर्षोउल्लास के साथ उत्साह पूर्वक मनाया गया।अतिथियों ने बच्चों को प्रतिदिन शाला आने एवं नियमित पढ़ाई करने प्रेरित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित सभी अतिथियों के द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती के पूजन वंदन के साथ यह कार्यक्रम प्रारंभ हुआं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में नगर फिंगेश्वर के वरिष्ठ भाजपा नेता भागवत हरित थे। वहीं अध्यक्षता शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मनीष हरित ने किया।विशेष अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में डॉक्टर चंद्रशेखर हरित, पूनम यादव, जगदीश यदु, संतोषी श्रीवास्तव, पद्मा यदु, शांति कोसरे, भुनेश्वरी साहू सहित शाला प्रबंधन समिति के सदस्य दीपक पोद्दार, शुभम जैन, केडी सोनवानी व ज्योति राजपूत आदि उपस्थित रहे। अतिथियों ने शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में नव प्रवेशित बच्चों को गुलाल से टीका लगाकर, मिठाई खिलाकर स्वागत किया। वहीं पर पाठ्य पुस्तक का वितरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भागवत हरित ने सभी नव प्रवेशित बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए जीवन में आगे बढ़ाने के लिए विद्यालय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गत वर्ष के परीक्षा परिणाम के लिए विद्यालय के समस्त शिक्षकों की प्रशंसा की और बच्चों को प्रतिदिन शाला आने एवं नियमित पढ़ाई करने प्रेरित किया। इसी कड़ी में कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष मनीश हरित ने कहा कि विद्यालय में न केवल सिलेबस आधारित बल्कि नैतिकता के साथ-साथ अन्य सभी प्रकार की गतिविधियां संचालित हो जिससे बच्चों का सवांर्गीण विकास हो सके।

कार्यक्रम में महेश साहू, कुंदन रावत,फणेश्वर साहू, विनोद साहू, देवेश्वर महाडीक, ऋषभ शर्मा, ईश्वर माल कार, विकास चंद्राकर, देव सिन्हा, टीकम साहू, थनेश्वर साहू, सारिका साहू, विनीता साहू, काजल शर्मा, कृतिका पुंज, सृष्टि दीक्षित, गीतांजलि सिन्हा, अंशी कुजूर, कल्पना साहू, चेतना किरण, क्षमेश्वरी बंजारे, मनीषा साहू, शताक्षी शर्मा, समीक्षा तारक, सरिता साहू, शुभम साहू, वर्षा हिरवा नी, तुषार साहू, आशीष मरकाम, दिलीप मरकाम, हर्षा दीवान सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

# पूर्व विधायक गोवर्धन मांझी का व्हाट्सएप हैक, परिचितों से मांग रहे 28 हजार रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले में साइबर ठगों ने अब राजनीतिक नेताओं के मोबाइल फोन और उनके परिचितों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। शनिवार को भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर का फोन हैक होने का मामला सामने आने के बाद अब बिंद्रानवागढ़ के पूर्व विधायक एवं पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन मांझी का फोन भी हैक हो गया है। उनके मोबाइल से परिचितों को 28 हजार रुपए की जरूरत बताते हुए ऑनलाइन पैसे भेजने के मैसेज किए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक गोवर्धन मांझी के व्हाट्सएप नंबर से कई परिचितों के पास अचानक पैसे मांगने का संदेश पहुंचा। मैसेज में लिखा गया 28 हजार ऑनलाइन पेमेंट हो पाएगा अभी, मेरा नेटवर्क इश्यू है, एक घंटे में रिटर्न कर दूंगा। परिचित नंबर और मांझी का नाम देखकर पहली नजर में मैसेज सामान्य मदद की मांग जैसा नजर आया, लेकिन लगातार पैसे मांगने वाले संदेशों के बाद मामला संदिग्ध हो गया।

**गोवर्धन मांझी बोले मेरा फोन हैक, कोई पैसा न भेजे–** मामले की जानकारी मिलते ही गोवर्धन मांझी ने अपने परिचितों, समर्थकों और आम लोगों को सतर्क किया है। मांझी ने कहा कि उनका फोन हैक हो गया है। यदि उनके नाम या मोबाइल नंबर से किसी भी व्यक्ति के पास पैसे मांगने का मैसेज आता है तो उस पर भरोसा न करें और किसी भी खाते या ऑनलाइन माध्यम से रकम ट्रांसफर न करें। उन्होंने साफ किया कि उनके द्वारा किसी से पैसे की मांग नहीं की जा रही है। ऐसे में उनके नाम से आने वाले आर्थिक मदद या ऑनलाइन पेमेंट से जुड़े संदेशों को नजरअंदाज किया जाए।

### ओडिशा से गांजा लेकर गुजरात में खपाने की थी तैयारी, दो गिरफ्तार

**महासमुंद।** ओडिशा से गांजा लेकर गुजरात ले जा रहे दो आरोपियों को जिले की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 32 किलो से ज्यादा गांजा बरामद किया है। आरोपियों के विरूद्ध कोमाखान थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी, परिवहन तथा बिक्री एवं इंड टू इंड इन्वेस्टिगेशन, फायनेंशियल इन्वेस्टिगेशन पर प्रभावी एवं विधिवत का करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। जिसके चलते पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग कार्रवाई की जा रही है। थाना कोमाखान पुलिस को मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर एक आइशर ट्रक क्रमांक जीजे 19 वाय 3344 में 02 व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ गांजा परिवहन की सूचना पर ग्राम टेमरी जांच नाका में उक्त ट्रक को रोककर वाहन चालक व सवार ने अपने नाम प्रदीप महापात्र पिता त्रिनाथ महापात्र (52 साल) निवासी तलरामपल्ली थाना कोदला जिला गंजाम ओडिशा और हाडुबंधु स्वांई पिता रंकनिधि स्वांई (47 साल) निवासी बादरखपल्ली थाना कोदला जिला गंजाम ओड़िशा का रहने वाला बताए।

# डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर भाजपा कार्यकर्ता ले रहे डिजिटल प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुरसाबांधा

भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठन को तकनीक से जोड़ते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता को वैचारिक एवं संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 संचालित किया जा रहा है।इस महाअभियान के अंतर्गत कार्यकर्ता सरल ऐप के माध्यम से डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक कार्यकर्ता तक संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति, सेवा, सुशासन एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों की जानकारी डिजिटल माध्यम से पहुँचाना है। इसी क्रम में इस महाअभियान संयोजक एवं भाजयुमो नेता वीरेंद्र साहू क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को सरल ऐप के माध्यम से डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। वे स्वयं कार्यकर्ताओं के बीच पहुँचकर सरल ऐप डाउनलोड करने, लॉगिन करने, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण लेने, ऑनलाइन परीक्षा देने तथा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण कर प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दे रहे हैं। श्री साहू ने कहा कि सरल ऐप संगठन और कार्यकर्ता के बीच एक सशक्त डिजिटल सेतु बनकर उभरा है। इसके माध्यम से कार्यकर्ता कहीं भी और कभी भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी का यह डिजिटल प्रशिक्षण महाअभियान संगठन को तकनीक से सशक्त बनाने, प्रत्येक कार्यकर्ता को वैचारिक रूप से समृद्ध करने तथा भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप सक्षम नेतृत्व तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

# 50 लाख का आलीशान भवन तैयार, फिर भी जर्जर आश्रम में रहने को मजबूर मासूम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

आदिवासी बालक आश्रम मैनपुर के सफल संचालन के लिए नगर से 06 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत देहारगुड़ा में लगभग 50 लाख रूपये के लागत 05-06 वर्ष पहले आलिशान भवन का निर्माण किया गया है, लेकिन अब तक नए भवन में आश्रम को संचालित नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण यहा पढ़ाई करने वाले बच्चे पुराने जर्जर भवन में निवास कर पढ़ाई करने मजबूर हो रहे हैं, कई बार क्षेत्र के लोगों ने सांसद विधायक जिले के कलेक्टर एवं आला अधिकारियों से मांग कर चुके है कि मैनपुर आदिवासी बालक आश्रम को नया भवन देहारगुड़ा में संचालित किया जाए लेकिन इस ओर ध्यान न देना समझ से परे है। एक तरफ केन्द्र व राज्य सरकार आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को बेतहर शिक्षा उपलब्ध कराने लाखो - करोड़ों रुपए पानी की तरह खर्च कर रही है और संबधित विभाग बेहतर शिक्षा के नाम पर अपने विकास के दम भरते नही थक रही है ठीक इसके विपरीत आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र में संचालित आश्रम छात्रवासों में व्याप्त समस्या और बच्चों को होने वाली परेशानियों को देखकर आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि विभाग का दावा जमीनी स्तर पर कितना मजबूत है। तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर में वर्ष सन- 1966 से आदिवासी बालक आश्रम संचालित हो रहा है और इस बालक आश्रम में 100 सीटर है जिसमें पहली से लेकर 8 वीं तक के क्षेत्रभर के आदिवासी बच्चे निवास कर पढ़ाई करते है लेकिन आश्रम भवन की स्थिति बेहद जर्जर हो चली है पिछले 53 वर्षो से सेड वाला भवन में यह आश्रम संचालित हो रहा है और इसके सेड छत जर्जर हो गई है जिसके चलते लगातार बारिश के कारण कमरो के भीतर पानी झरने की तरह बहती है जबकि इस आश्रम में समय समय पर विभाग के आला अफसर लगातार निरीक्षण करने पहुंचते है आश्रम शाला भवन की स्थिति भी बेहद जर्जर मैनपुर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने आदिवासी आश्रम को नया भवन में संचालित करने की मांग किया है।

# सरगी नाला उफान पर, महासमुंद-राजिम मार्ग बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

नगर सहित अंचल में दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते जनजीवन अस्त व्यस्त हुआ है। वही पर सरगी नाला मे पुल से उपर पानी बहने से संध्या महासमुंद से राजिम मार्ग पर आवागमन अवरूद्ध हुआ है।नाले के दोनो किनारों मे अपने अपने गंतब्य मे पहुंचने वाले वाहनों की लंबी कतार लगी रही।पुल पर फिंगे"वर पुलिस बल के द्वारा पुल पार करने को लेकर सख्ती के साथ मना किया जा रहा था और राजिम जाने के लिए पुरैना बिनौरी बासीन मार्ग से जाने की सलाह भी दी जा रही थी।दूसरी ओर बारिश के चलते सूखा नदी मे जलस्त्रोत बढ़ा हुआ है। बता दे कि 4 जुलाई की रात्रि से हो रहे मूसलाधार बारिश से अंचल के नदी नाले उफान पर है वहीं पर खेत खलिहान भी पानी मे डूबे नजरे आये हैं। नगर के आफिस कार्यालय सहित वार्डो के अधिकांश भाग मे पानी जाम रहा है। वार्ड 13 मे शासकीय आवासीय परिसर मैदान मे तालाब जैसा नजारा दिखाई दिया वहीं पर एक मात्र डामर सड़क मार्ग भी पानी मे डूबा रहा। कालेज मैदान सहित नीचले जमीनी सतह में निवास करने वाले लोगो के आगंण मे पानी जाम रहा वहीं घरों मे भी पानी घुसा रहा। इस मूसलाधार बारिश के चलते नगर पंचायत के कर्मचारी जाम पानी निकालते नजर नहीं आये। नगर पंचायत के सुस्त रवैये से नागरिक हलाकान रहे। नगर मे ऐसा लग रहा है कि शासन प्रशासन नाम की कोई बात ही नहीं है।लोगो का कहना है कि रविवार होने के कारण नगर पंचायत के अधिकारी मुख्यालय से नदारत होने के कारण नगर की कैसे सुधि लेंगे।वार्ड 13 पानी पानी होने के बाद भी वार्डो की सुधि लेने वार्ड पार्षद एवं प्रतिनिधि नजर नहीं आए जिनको लेकर नागरिको में आक्रोश है। वार्ड वासियों ने कहा की बरसात पूर्व यदि नगर पंचायत द्वारा पानी जाम वाले स्थानों को चिन्हांकित कार्यवाही की जाती तो ऐसी स्थिति निर्मित नहीं होती। दिखावे के लिए कहीं कहीं गिनती की मुरूम की ढेरिया लगा रखी है जिसे बिछाया भी नहीं गया है। नागरिकों ने वार्डो में जाम पानी की निकासी एवं नालियों की स फाई कराने की मांग की है।

पेज 9 के शेष...

### बगनई नदी उफान...

बनाकर रह रहे थे। देर रात तक काम करने के बाद सभी मजदूर गहरी नींद में थे, इसलिए उन्हें नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने का आभास नहीं हो सका। कुछ ही देर में बाढ़ का पानी झोपड़ियों तक पहुंच गया और सभी मजदूर नदी के बीच फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही छुरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और महासमुंद से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। नदी में तेज बहाव और लगातार बढ़ते जलस्तर के बीच रेस्क्यू टीम ने पूरी सावधानी और सुरक्षा इंतजामों के साथ अभियान चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद सभी 14 मजदूरों को एक-एक कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

### घटारानी के 52...

अर्जित कर रहे हैं। संडे और छुट्टियों के दिनों में यहाँ परिवार, मित्र मंडली और युवाओं की टोलियां पिकनिक मनाने पहुँच रही हैं।
**करोड़ों का बजट स्वीकृत, फिर भी फाइलें खा रहीं धूल–** पर्यटन पर पहुंचे श्रद्धालुओं और स्थानीय ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि इस संवेदनशील और जानलेवा मार्ग के नवनिर्माण के लिए करोड़ों रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है, लेकिन सुस्त प्रशासनिक तंत्र और पीडब्ल्यूडी विभाग ने इस गंभीर मुद्दे को हमेशा ठंडे बस्ते में डाले रखा। बारिश शुरू होने से पहले न तो इस मार्ग की मरम्मत कराई गई और न ही नया निर्माण शुरू हुआ। आज स्थिति यह है कि गड्ढों में तब्दील हो चुकी इस घाटी पर सफर करना जान हथेली पर रखने जैसा है। पर्यटकों ने तीखा सवाल उठाते हुए पूछा है कि आखिर जिम्मेदार प्रशासन कब जागेगा? क्या विभाग को किसी बड़ी अनहोनी और सामूहिक मौतों का इंतजार है?

## खबर संक्षेप

### सर्पदंश, झाड़-फूंक नहीं सीधे अस्पताल जाएं

**रसेला।** बरसात का मौसम शुरू होते ही वातावरण में नमी और उमस बढ़ने के कारण जमीन में रेंगने वाले जहरीले कीट, सांप, बिच्छू अपने बिलों रहवासों से बाहर आ जाते हैं, और लोगों को काटने का खतरा बढ़ जाता है। वर्षा का पानी उनके बिलों में भर जाने तथा अपने भोजन की तलाश में ये बाहर आते हैं तथा सुरक्षित स्थान की तलाश में अक्सर लोगों की घरों में घुस जाते हैं। जिससे सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती है, स्वास्थ्य विभाग रसेला जनहित में सूचना जारी करते हुए कहा है कि सांप बिच्छू या जहरीले कीड़े मकोड़े के काटने पर पीड़ित का तत्काल उपचार कराने से उसकी जान बचाई जा सकती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रसेला के प्रभारी डॉ राहुल नेताम ने विशेषकर इस क्षेत्र लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सर्पदंश होने पर या जहरीले कीट के काटने पर एक से डेढ़ घंटे के भीतर पीड़ित को सही उपचार न मिलने उसकी मृत्यु भी हो सकती है, इसलिए पीड़ित को शीघ्र निकट के स्वास्थ्य केंद्र में ईलाज के लिए लेकर आना चाहिए।

### पद्मश्री तीजन बाई को साहित्यकारों ने दी श्रद्धांजलि

**राजिम।** पद्मश्री तीजन बाई को राजिम क्षेत्र के साहित्यकारों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मालूम हो कि लोक कला संस्कृति को महाभारत की मूल गाथा पण्डवानी को कपालिक शैली में संगीत के नौ

रसों से सींचकर लोक कला के उपवन को सजाकर वैश्विक मंच पर तीजन बाई ने पहचान दिलाई। पण्डवानी गायन और लोक कला के मंचीय प्रस्तुति में आगे आने के क्षेत्र में प्रथम महिला कलाकार थी, जिसने जन्मभूमि छत्तीसगढ़ महतारी ही नहीं बल्कि देश का भी नाम रोशन किया है। श्रद्धांजलि देने वालो में डॉ ईश्वर तारक, गौकरण मानिकपुरी, सेवक ठाकुर ,रुकमणी दीवान, खेम निषाद, तुलेश्वर घृतलहरे, गंगा मानिकपुरी, माहेश्वरी सिन्हा, बाबूलाल साहू, यश साहू ,पवन घृतलहरे, बुधारु यादव, चैतू तारक, बृजलाल सिन्हा, विजय पटेल, लीला दीवान, रजमत बाई, टिकेश्वरी साहू, लोमश साहू, श्यामलाल ध्रुव, श्याम निर्मलकर, तीज बाई विश्वकर्मा, हेमीन, चिंता राम, हेमलाल साहू ,माखन साहू, मिलाप बंजारे, शंभू राम टोण्डरे, प्रहलाद मानिकपुरी शामिल थे।

### गुड शेफर्ड में स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

**महासमुंद।** गुड शेफर्ड स्कूल में महान दार्शनिक, आध्यात्मिक गुरु एवं युगप्रवर्तक स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का अमूल्य स्रोत हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास, अनुशासन, सेवा-भाव एवं राष्ट्रप्रेम को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। एनएसएस प्रभारी अनीता वंजारी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन-दर्शन, आध्यात्मिक चिंतन तथा समाज और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

**बारिश :** बुजुर्गों ने कहा- जीवन में पिछले 50 वर्षों में नहीं देखी ऐसी प्रलयकारी बारिश

# प्रलयंकारी बारिश से मोंगरा गांव की 90 प्रतिशत फसल तबाह, किसान कर्ज में डूबे

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

प्रकृति के रौद्र रूप ने एक बार फिर अन्नदाताओं की कमर तोड़कर रख दी है। ग्राम मोंगरा में मूसलाधार बारिश ने ऐसा तांडव मचाया है कि देखते ही देखते 90 प्रतिशत किसानों के खेत-खलियान मटियामेट हो चुके हैं। खेतों में लबालब भरे पानी और तेज बहाव के कारण अधिकांश खेतों के मेड़-पार टूट कर बह गए हैं, जिससे खेतों का पूरा नक्शा ही बिगड़ चुका है। ग्राम मोंगरा के अधिकांश किसानों ने अपनी गाढ़ी कमाई और भारी-भरकम कर्ज लेकर धान के बीज खरीदे थे। खेतों की जुताई से लेकर बुआई तक का काम लगभग ९०% पूरा हो चुका था। किसान अपनी लहलहाती फसल के सपने संजोए बैठे थे, लेकिन अचानक हुई इस अतिवृष्टि ने सब कुछ बर्बाद कर दिया। अब खेतों में सिर्फ तबाही का मंजर नजर आ रहा है। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में पिछले 50 वर्षों में ऐसी प्रलयकारी बारिश नहीं देखी। प्रकृति के इस भयानक प्रकोप के कारण खेतों की मेड़ और पार पूरी तरह से ढह चुके हैं, जिससे खेतों का भौगोलिक नक्शा ही बिगड़ गया है। खेतों में पानी का बहाव इतना तेज था कि फसलों के साथ-साथ उपजाऊ मिट्टी भी बह गई है। इस प्राकृतिक आपदा से गांव के छोटे-बड़े सभी किसान बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। मुख्य रूप से मनीराम नागवंशी सरपंच और पीलम नेताम उपसरपंच चंद्रशेखर साहू, होम सागर साहू, सरोज, पुनीत राम नागवंशी, सदनसिंह उलसराम चक्रधारी, रामचंद्र नायक, धीरसाय मांझी, अभेराम, दिनुराम नायक चरनसिंह नागवंशी, विजय कुमार नायक, दयालु साहू, भारत राम नायक जोहन, लखी, बिन्दाबाई और इनके जैसे अनेकों किसानों की महीनों की मेहनत और पूंजी मिट्टी में मिल चुकी है। हम ने कर्ज लेकर, गहने गिरवी रखकर इस आस में बुआई की थी कि फसल अच्छी होगी तो कर्ज चुका देंगे। लेकिन अब तो मेड़ ही नहीं बचे, पूरा खेत बह गया। अब हम खाएंगे क्या और कर्ज कैसे चुकाएंगे? सरकार ही अब हमारी आखिरी उम्मीद है।

### तत्काल गिरदावरी और सर्वे हो

राजस्व विभाग की टीम जल्द से जल्द मोंगरा गांव पहुंचकर नुकसान का सही आकलन (सर्वे) करे। प्रभावित सभी किसानों को उनकी बर्बाद हुई फसल और टूटे हुए मेड़ों (खेतों के सुधार) के लिए तत्काल मुआवजा दिया जाए। इस संकट की घड़ी में किसानों के कृषि लोन पर राहत या माफी की घोषणा की जाए। अब देखना यह होगा कि आपदा की इस घड़ी में सोई हुई शासन-प्रशासन की नींद कब खुलती है और बेबस हो चुके इन अन्नदाताओं के आंसुओं को पोंछने के लिए सरकार क्या ठोस कदम उठाती है।

## नदी-नाले उफान पर, जान जोखिम में डालकर रपटा पार कर रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा बेलर

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने पूरे क्षेत्र को जलमग्न कर दिया है। खेत, नदी-नाले सब लबालब भर गए हैं। चारों तरफ सिर्फ पानी-पानी नजर आ रहा है। धान के खेत तालाब में तब्दील हो गए हैं और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। बारिश का सबसे अधिक असर पतोरा और घोघरा के बीच बने नाला पुल पर देखने को मिला। नाले में उफान के कारण पुल के ऊपर से ही पानी बहने लगा। इसके बावजूद कुछ लोग मजबूरी में और कुछ लापरवाही में पुल के ऊपर से ही आ-जा रहे थे। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति छोटे बच्चे का हाथ पकड़कर तेज बहाव वाले पानी से गुजर रहा है। यह नजारा बेहद खतरनाक और चिंताजनक है। वहीं चैतरा छोटे नाला, रवेली नाला,बोरसी सरगी नाला पुल उपर चल चल रहा है। पानी के तेज बहाव के साथ नदी में बहकर आई घास-फूस, झाड़ियां और कचरा पुल के पाइप में फंस गया था। इससे पानी का जमाव और बढ़ गया था और पुल के ऊपर से पानी की ऊंचाई और बढ़ने लगी थी। ऐसे में पतोरा के युवा ग्रामीणों ने एकजुट होकर मोर्चा संभाला। उन्होंने पानी में उतरकर पाइप में अटके कचरे को निकाला। घंटों की

मशक्कत के बाद पानी का निकास सुचारू हुआ और गांव वालों को आवागमन में थोड़ी राहत मिली। ग्रामीणों की इस पहल से न सिर्फ जलजमाव कम हुआ बल्कि संभावित बाढ़ जैसी स्थिति भी टल गई।

**प्रशासन से सुरक्षा और वैकल्पिक व्यवस्था की मांग-** स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बरसात के दिनों में इस पुल पर आवागमन रोकने के लिए बैरिकेडिंग की जाए और वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जाए। साथ ही नाले की नियमित सफाई कराई जाए ताकि कचरे के कारण पानी न रुके। कृषि विभाग के अनुसार खेतों में भरे पानी से फसल को नुकसान की आशंका है। मौसम विभाग ने अभी और बारिश की संभावना जताई है, ऐसे में नदी-नालों के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

## पहली ही बारिश में झूम उठा जतमई-घटारानी का झरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

मानसून की पहली झमाझम बारिश से राजिम क्षेत्र के सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल जतमई-घटारानी में झरना का दृश्य बहुत ही भव्य रूप से देखने को मिल गया है। गरियाबंद जिले में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थल जतमई और घटारानी के झरने पहली ही झमाझम बारिश में पूरी तरह जीवंत हो उठे हैं। पहाड़ों से गिरते दूधिया पानी और चारों ओर फैली हरियाली को देखने के लिए मानसून के इस दौर में सैलानी पहुंचने लगे है। शनिवार और रविवार को हुई लगातार बारिश के बाद जतमई और घटारानी की पहाड़ियों पर प्रकृति का अदभुत नजारा देखने को मिल रहा है। सूखी पड़ी चट्टानों के बीच से बहता पानी अब विशाल एवं मनमोहक झरने का रूप ले चुका है। जतमई माता मंदिर के समीप बहता जलप्रपात तथा घटारानी के सघन वन क्षेत्र के बीच गिरता झरना पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। घने जंगलों के बीच पहाड़ों से गिरते जल की गूंज और चारों ओर छाई धुंध ने पूरे क्षेत्र की सुंदरता में चार चांद लगा दिए हैं। सोशल मीडिया और समाचारों के माध्यम से झरनों के शुरू होने की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवो से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचने लगे। युवा वर्ग झमाझम बारिश के बीच झरनों में आनंद लेते धमाचौकड़ी मचाते

नजर आए। मानसून की पहली बारिश ने जतमई-घटारानी की प्राकृतिक छटा को एक बार फिर जीवंत कर दिया है, जिससे यह क्षेत्र प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में फिर से आकर्षण का केंद्र बन गया है।

## पहली बारिश ने खोली बिजली व्यवस्था की पोल, अंचल के सैकड़ों गांव अंधेरे में डूबे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

मानसून की पहली तेज बारिश ने क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था की तैयारियों की पोल खोल दी। शनिवार रात से शुरू हुई लगातार बारिश के बाद क्षेत्र के अनेक गांवों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे सैकड़ों गांव रातभर अंधेरे में डूबे रहे। बिजली गुल होने का असर केवल रोशनी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि रविवार सुबह कई गांवों में पेयजल आपूर्ति भी बाधित हो गई, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात से हो रही बारिश के चलते विद्युत लाइनों में आई तकनीकी खराबी के कारण रसेला क्षेत्र के कई गांवों में बिजली आपूर्ति बंद हो गई। विद्युत विभाग का कहना है कि खराबी दूर करने के लिए विभागीय अमला

लगातार सुधार कार्य में जुटा हुआ है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक कई क्षेत्रों में बिजली बहाल नहीं हो सकी थी।बारिश के मौसम से पहले विद्युत विभाग द्वारा व्यापक मेंटेनेंस कार्य किए जाने और विद्युत लाइनों की मरम्मत का दावा किया गया था। इसके बावजूद पहली ही बारिश में बड़े पैमाने पर बिजली व्यवस्था चरमरा जाने से विभाग की तैयारियों पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर प्रभावी रखरखाव किया गया होता तो इतनी बड़ी संख्या में गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित नहीं होती।बिजली नहीं रहने से पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुईं। कई गांवों में मोटर पंप बंद रहने के कारण सुबह लोगों को पीने का पानी नहीं मिल सका। इसके अलावा मोबाइल चार्जिंग, घरेलू कार्य, छोटे व्यवसाय और अन्य दैनिक गतिविधियां भी प्रभावित रहीं। लगातार बिजली कटौती से लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी देखने को मिली।ग्रामीणों ने मांग की है कि विद्युत विभाग बारिश के मौसम को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में स्थायी और मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित करे तथा खराबी आने पर त्वरित सुधार के लिए अतिरिक्त तकनीकी दलों की तैनाती की जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

## नदी-नाले व तालाब लबालब, किसानों के खिले चेहरे, खेतों में लौटी रौनक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुरसाबांधा

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार इंद्रदेव पूरी तरह मेहरबान हो गए। शनिवार की पूरी रात हुई मूसलाधार बारिश ने सुरसाबांधा, लोहरसी, सहसपुर,रवेली,मुड़तराई, जेंजरा, तर्रा, कुरूसकेरा, श्यामनगर, परतेवा,धुमा, देवरी, टेका,भेण्डरी सहित पूरे ग्रामीण अंचल को पूरी तरह भिगो दिया। रविवार को भी दिन भर रुक-रुककर जमकर बारिश होती रही। लगातार हो रही वर्षा से पूरा ग्रामीण क्षेत्र जलमग्न नजर आया। पहली जोरदार वर्षा के बाद क्षेत्र के नदी-नाले, तालाब और छोटे जलस्रोत लबालब भर गए। सड़कों, गलियों और निचले इलाकों में पानी भर गया, जबकि खेतों में पानी की पर्याप्त आवक होने से किसानों के चेहरे खुशी से खिल उठे। पिछले कई दिनों से अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे लोगों को आखिरकार राहत मिली। लगातार बरसते बादलों ने मौसम में ठंडक और नमी घोल दी। उमस और गर्मी से परेशान लोगों ने भी राहत की सांस ली। सुबह से शाम तक आसमान घने

बादलों से ढका रहा और बीच-बीच में तेज बारिश का दौर चलता रहा। हर ओर पानी ही पानी दिखाई दिया। बारिश का सबसे अधिक लाभ किसानों को मिला है। जिन खेतों में अब तक केवल तैयारी चल रही थी, वहां अब धान की बुवाई और रोपाई का काम तेज हो जाएगा। कहीं ट्रैक्टर खेतों में चलते दिखाई देंगे तो कहीं किसान अपने परिवार के साथ खेतों में उतरकर खेती-किसानी के कार्य में जुटे नजर आएंगे। पर्याप्त नमी मिलने से फसलों के लिए अनुकूल वातावरण बन गया है और किसानों की चिंता काफी हद तक दूर हो गई है। गांव के तालाब, नाले और छोटे जलस्रोत भी लबालब होने लगे हैं।

**बच्चों ने की मस्ती, मौसम विभाग का अनुमान- जारी रहेगा दौर-** कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति भी बनी, लेकिन अच्छी बारिश मिलने की खुशी के आगे यह परेशानी छोटी नजर आई। बच्चों ने भी बारिश का भरपूर आनंद लिया। कई जगह वे बारिश में भींगते और पानी से भरी गलियों में मस्ती करते दिखाई दिए। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह वर्षा होती रही तो खरीफ फसलों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं होगी। लगातार हुई इस बारिश ने न केवल धरती की प्यास बुझाई है, बल्कि किसानों के मन में अच्छी फसल की नई उम्मीद भी जगा दी है। अब पूरे क्षेत्र में खेती-किसानी की गतिविधियां तेज हो गई हैं और गांवों से लेकर शहर तक बारिश की यह सौगात लोगों के चेहरों पर मुस्कान लेकर आई है।

## विलुप्त हो गईं धान की पारंपरिक किस्में: चेपटी गुरमटिया, दुबराज और लुचई अब सिर्फ यादों में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

क्षेत्र में 25 से 30 साल पहले किसान अपने खेतों में चेपटी, गुरटिया, दुबराज,लुचई, सफरी आदि धान का बीज खेतों में बोते थे और भाटा टिकरा में टवरधान की बुआई की जाती थी। आज यहां बीज किसानों के लिए मात्रा यादगार बनकर रह गया है। ग्राम रसेला के धनीराम यादव, नंदूदास मानिकपुरी, देवलाल बारिक, रामेश्वर सिन्हा, यशराम यादव को पुछा गया कि आप 25 साल पहले क्या धान की बोआई करते थे तो उन्होंने दो या तीन धान के नाम ही बता पाया। और कहा कि धान का नाम भूल गया हूं। इस तरह से किसान डी आर यादव, धनेश राम ठाकुर, सीताराम यादव,मयाराम ठाकुर ने कहा कि पहले के धान

और अब के धान बीज में अंतर है। पुराना धान में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मोटा धान की प्रजातियों में अति वृष्टि और जल भराव के बाद भी खुद को बचा ले जाने की अद्भुत क्षमता थी। अब वह बीज सिर्फ यादों में रह गई है। मानसून के दिनों में असीमित बारिश झटके से कम होता उत्पादन और तरह तरह के कीट प्रकोप यह कुछ ऐसे कारक है, जिसने मोटा धान की फसल लेने वाले किसानों को परेशान किया हुआ है। ऐसे समय में अब प्रजातियां याद आ रही है, जिनसे ऐसी प्रतिकूल स्थितियों को सहन करने की गजब की क्षमता थी महत्वपूर्ण यह है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उत्पादन में विशेष अंतर नहीं आता था।ऐसा था धान क्रांती, चेपटी गुरटिया, दुबराज, लुचई दाना मोटा और पतला व वजनदार होता था।

## खबर संक्षेप

### झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे खिले

**मैनपुर।** शनिवार रात से मैनपुर नगर सहित पुरे क्षेत्र में झमाझम बारिश से जहां एक ओर लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। वहीं दूसरी ओर किसानों के चेहरे खिल उठे। किसान बारिश का इंतजार कर रहे थे अब झमाझम बारिश से खेती किसानी कार्य में तेजी आएगी। वहीं दूसरी ओर पहली बारिश के साथ ही बिजली विभाग के लचर व्यवस्था के पोल खुल गए। पूरी रात आज दिनभर मैनपुर देवभोग क्षेत्र के सैकड़ों गांव में बिजली की आंख मिचौली जारी है, जिससे लोग परेशान हो गए हैं।

### एकता व सद्भावना से बनता है बेहतर समाज : इंद्रकुमार

**अभनपुर।** छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन रायपुर संभाग के तत्वावधान में अभनपुर स्थित धीवर सामाजिक भवन में आयोजित सर्व समाज सम्मान समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक इंद्र कुमार साहू, अध्यक्षता ईश्वर पटेल ने की । इस अवसर पर विधायक इंद्र कुमार साहू ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में जहां समाज के भीतर भी बिखराव की स्थिति देखने को मिल रही है, ऐसे समय में सभी समाजों को एक मंच पर जोड़ने का कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन की इस अभिनव पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह आयोजन अनुकरणीय है ।
इस दौरान संभाग उपाध्यक्ष फतीश साहू, हेमलाल ध्रुव, महामंत्री वेदव्यास धीवर, जिला अध्यक्ष नारायण सोनी , साहू समाज जिला अध्यक्ष , अनिल अग्रवाल, लीलाराम सेन टिकेंद्र बघेल, पंकज साहू,धर्मेंद्र पटेल, श्रवण देवांगन प्रेम शंकर साहू विनय साहू,गोपेश साहू,हेमलाल ध्रुव,डेमन पटेल बनमली नेम उपजित सचदेवा राजेश शुक्ला बिंदेश्वर झा सुमन लाल पाल देव प्रकाश साहू टिकेंद्र ठाकुर संजीत ध्रुव व यश कुमार साहू सहित संगठन के समस्त पदाधिकारी, समाज प्रमुख, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### कौहाकुड़ा में कबीर जयंती पर हुई चौका आरती

**महासमुंद।** ग्राम कौहाकुड़ा में कबीर प्राकट्य उत्सव मनाया गया। युवराज साहू के निवास में इस मौके पर चौका आरती का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें कबीर समाज के लोगों ने गुरु वंदना की और गुरु को पान, सुपारी, नारियल भेंटकर प्रणाम किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से कौशल चंद, मुकेश बैरागी डॉ सरोज साहू, चंद्रप्रकाश, डॉ गजेंद्र, चुन्नी लाल, दुलेश्वर, डेयर, नोहर दास, घासीदास, दुलार दास, विश्राम, तोमेस, चमन, मनीष, जय, पुष्कर, गोलू, हेमलता, नेहा, रीना, निक्की सोनिया, डॉ सुंदर, दानीप्रसाद, रूपेश, यंतुदास, यमन, रेखलाल आदि उपस्थित थे।

# उफान पर नदी-नाले, पथर्रा नाला बंद होने से आवागमन ठप; कई इलाके बने तालाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

लंबे इंतजार के बाद शनिवार देर रात शुरू हुई मानसून की पहली मूसलाधार बारिश ने गरियाबंद जिले का सबसे बड़ा शहर राजिम एवं आसपास के क्षेत्र को तरबतर कर दिया। लगातार झमाझम बारिश से महानदी सहित सभी नदी-नाले और नालियां उफान पर आ गईं। जहां एक ओर खेत पानी से लबालब भर जाने से किसानों के चेहरे खिल उठे, वहीं दूसरी ओर शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। लगातार बारिश के कारण पथर्रा नाला उफान पर आ गया। नाले पर बनी सड़क के ऊपर कमर तक पानी बहने से आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। कई ग्रामीण मार्ग भी बाधित रहे, जिससे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। शहर के मिलपारा, न्यायालय पास के कॉलोनी, गरियाबंद मार्ग, बस स्टैंड, फिंगेश्वर रोड, शिवाजी चौक सहित कई स्थान तालाब में तब्दील हो गए। वहीं नाले में पानी का तेज ठेलाव होने के कारण वार्ड क्रमांक 15 नवाडीह भी जलमग्न हो गया। आधे मोहल्ले तक सड़कों पर पानी भरकर बहने लगा, जिससे लोगों को घरों से निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

**किसानों के चेहरे खिले, धान बुवाई के काम में आएगी तेजी-** स्थानीय लोगों का कहना है कि खार से आने वाले पानी के कारण पानी सड़कों पर बहने लगा। कई स्थानों पर नालियां सड़क के बराबर भर गईं, जिससे जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई। बारिश का असर कच्चे मकानों पर भी दिखाई देने लगा है। हालांकि इस बारिश ने किसानों के लिए राहत लेकर आई है। अब तक वर्षा के अभाव में सूखे पड़े खेत पूरी तरह पानी से भर गए हैं। खेतों में मेड़ों तक पानी पहुंचने से धान की बुवाई का रास्ता साफ हो गया है। कृषि कार्य समय से पीछे होने के बावजूद किसान अब तेजी से बुवाई की तैयारी में जुट जाएंगे।

### मूसलाधार बारिश से भेंडरी जलमग्न, जनजीवन ठप

**नवापारा-भेण्डरी।** लगातार मूसलाधार बारिश से ग्राम भेंडरी और आसपास के गांव जलमग्न हो गया है। लगातार बारिश से निचले इलाकों के घरों में पानी घुसने की सूचना सामने आई हैं। पंचायत क्षेत्र की कच्ची सड़कें कीचड़ से लथपथ हो गई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि नालियों की सफाई समय पर नहीं होने से बारिश का पानी घरों के सामने जमा हो रहा है। भेण्डरी की गलियां जाम होने से 2 फीट पानी भर गया है जिससे आने-जाने में काफी दिक्कत हो रही है।

# पैरी नगर वार्ड-14 में घरों में घुटनों तक पानी, लोग पलायन को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा

**18 घंटे की मूसलाधार बारिश ने खोली नगर पंचायत की तैयारियों की पोल**

कोपरा में पिछले 18 घंटे से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मानसून सक्रिय होने के बाद पहली बार जिले में इतनी तेज और लगातार बारिश हुई है। लंबे समय से सूखे पड़े खेत-खलिहान पानी से लबालब भर गए हैं और कई स्थानों पर खेत समंदर जैसे दिखाई दे रहे हैं। वहीं दूसरी ओर शहरी और ग्रामीण इलाकों में जलभराव ने लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। नगर पंचायत कोपरा के पैरी नगर वार्ड क्रमांक-14 में हालात सबसे अधिक चिंताजनक बने हुए हैं। लगातार बारिश के कारण कई घरों में घुटनों तक पानी भर गया है। स्थिति ऐसी हो गई है कि कुछ परिवार अपने जरूरी सामान तक छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासी टूकेश्वर पाल, तीलू यादव, प्रहलाद साहू, सियाराम साहू, भगत साहू एवं तोताराम साहू के घरों में पानी भर जाने से उनका जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान इस वार्ड में जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है,

लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। पहली ही भारी बारिश ने नगर पंचायत की तैयारियों और जल निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है।

**वर्षों पुरानी समस्या, फिर भी ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने में नाकाम रहा प्रशासन-** बारिश के बीच सबसे बड़ा सवाल नगरीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर भी खड़ा हो रहा है। यदि समय रहते नालियों की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और आवश्यक निर्माण कार्य कराए गए होते तो शायद लोगों को अपने ही घर छोड़ने की नौबत नहीं आती। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि समस्या वर्षों पुरानी होने के बावजूद जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और नगर पंचायत ने स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए। बारिश से प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से तत्काल राहत, जल निकासी की व्यवस्था और भविष्य में इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो स्थिति और गंभीर होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

# बारिश से कॉलोनियां जलमग्न अध्यक्ष व पार्षदों ने संभाला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

मानसून के सक्रिय होने के बाद मूसलाधार बारिश के कारण विभिन्न कॉलोनियों एवं गलियों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई। इससे आम नागरिकों को आवागमन सहित दैनिक जीवन में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव एवं पार्षदों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर नागरिकों की समस्याओं से रूबरू होकर नगर पालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तत्काल राहत एवं जल निकासी की व्यवस्था करने कहा। इस दौरान शिवाजी चौक, मेला मैदान, साईं नगर, शिक्षक नगर, आमापारा, शासकीय अस्पताल परिसर सहित वार्ड क्रमांक 4, 5 एवं 6 के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए जल निकासी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर समस्याओं के समाधान का प्रयास किया गया। नगर में उत्पन्न स्थिति की जानकारी राजिम विधायक को भी दी गई। विधायक श्री साहू ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए जलभराव की समस्या

का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव ने कहा कि अचानक हुई भारी वर्षा के कारण नगर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई, लेकिन नगर पालिका पूरी तत्परता एवं जिम्मेदारी के साथ राहत कार्य में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने नगरवासियों से सहयोग एवं धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए आश्वस्त किया कि सभी प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र ही स्थायी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर नगर पालिका सभापति भारत यादव, आकाश सिंह राजपूत, कुलेश्वर साहू तथा पार्षद सुरेश पटेल, यशवंत निराला, अजय पटेल, तुषार कदम एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

# जिले में झमाझम बारिश, खेतों में लौटी रौनक

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

जिले में बीते कल रात से लगातार हो रही झमाझम बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दियाहै। रुक-रुककर शुरू हुई वर्षा देर रात से लगातार जारी रही, जिससे पूरे जिले में ठंडक घुल गई और लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली। समाचार लिखे जाने तक बारिश का सिलसिला लगातार जारी था।आज आषाढ़ मास के पांचवें दिन है और लगातार हो रही अच्छी बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी आ गई है, जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। लंबे समय से अच्छी वर्षा का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह बारिश किसी सौगात से कम नहीं है। अब धान की बुआई, रोपाई सहित अन्य कृषि कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। किसान पूरे उत्साह के साथ खेतों की तैयारी में जुट गए हैं। बारिश से ग्रामीण क्षेत्रों में भी रौनक लौट आई है। खेत-खलिहान पानी से लबालब होने लगे हैं, जिससे खरीफ फसलों के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि यदि आने वाले दिनों में इसी तरह संतुलित वर्षा होती रही तो इस वर्ष फसल उत्पादन बेहतर रहने की संभावना है। बारिश के कारण जिले का प्राकृतिक सौंदर्य भी निखर उठा है। पेड़-पौधों की हरियाली बढ़ गई है और वातावरण पूरी तरह खुशनुमा हो गया है। लोगों ने भी मौसम का आनंद लेते हुए बारिश का स्वागत किया। बारिश के बाद जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों चिंगरा पगार, जतमई, घटारानी और देवधारा में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है। हर वर्ष मानसून के दौरान इन स्थलों पर बड़ी संख्या में लोग प्राकृतिक सुंदरता और झरनों का आनंद लेने पहुंचते हैं। लगातार हो रही इस वर्षा से किसानों में खुशी का माहौल है और उन्हें अच्छी पैदावार की उम्मीद जगी है। जिलेवासियों को भी उम्मीद है कि मानसून इसी तरह सक्रिय रहा तो खेती-किसानी के साथ-साथ जल स्रोतों में भी पर्याप्त जलभराव होगा।

# पहली ही बारिश ने बदला शहर का नजारा, घरों में पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

शनिवार देर रात लगभग दो बजे से शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने एक ही झटके में पूरे शहर की तस्वीर ही बदल दी। वहीं रविवार को पूरा दिन रुक-रुककर होती रही झमाझम बारिश ने जहां एक ओर लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत दिलाई, वहीं दूसरी ओर शहर के कई इलाकों में जलभराव ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। देखते ही देखते सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं और निचले इलाकों में घरों के भीतर तक पानी घुस गया। बस स्टेण्ड के हालात ऐसे रहा कि एक फीट से भी ज्यादा पानी का जमाव हो गया जो नेशनल हाइवे में बहने लगी। यहां घुटनों तक पानी भर जाने से यात्रियों, दुकानदारों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सड़क पर इतना पानी जमा हो गया कि पहली बार बस स्टैंड की मुख्य सड़क पर पानी नाले की

तरह बहता दिखाई दिया। जलभराव के कारण कई बाइक और स्कूटी सवार असंतुलित होकर गिरे भी। बारिश का सबसे अधिक असर निचली बस्तियों में देखने को मिला। खोलीपारा, आदर्श नगर कॉलोनी सहित कई मोहल्लों में बारिश का पानी घरों के भीतर घुस गया जिसे लोग बाल्टियों और मोटर पंपों के सहारे घरों से पानी बाहर निकालने में जुटे रहे। कई स्थानों पर स्थानीय लोग एक-दूसरे की मदद करते नजर आए। नगर के अनेक मोहल्लों में नालियों का पानी भी सड़कों पर फैल गया, जिससे गंदगी और बदबू की समस्या बढ़ गई। जगह-जगह जलभराव के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को आवागमन में भारी कठिनाई हुई। कई गलियों में लोगों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा।

### इन वार्डों और गलियों में चलती रही पानी की धार

इस तरह से कुछ घंटों की तेज बारिश ने ही पूरे शहर को जलमग्न कर दिया। हालांकि इस बारिश का दूसरा पहलू किसानों के लिए राहत लेकर आया है। लंबे समय से अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई है। खेतों में पर्याप्त नमी आने से धान सहित खरीफ फसलों की बुवाई को गति मिलेगी। पिछले कई दिनों से सूखी पड़ी धरती ने आखिरकार पानी की सौगात प्राप्त की है। वातावरण में ठंडक घुल गई है और उमस से लोगों को बड़ी राहत मिली है। फिर भी यह बारिश राहत के साथ चेतावनी भी दे गई है। खास बात यह है कि कहीं-कहीं नालियो की सफाई भी जरूरी लग रहा है वर्ना आने वाले दिनों में और अधिक बारिश होने पर स्थिति गंभीर हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। ऐसे में नगरवासियों को सतर्क रहने के साथ-साथ प्रशासन को भी प्रभावी इंतजाम करने की आवश्यकता है, ताकि राहत देने वाली बारिश किसी के लिए आफत न बन जाए। नगर के खोलीपारा, किसान पारा शीतलापारा, दम्मानी कॉलोनी, बढ़ई पारा, रेलवे स्टेशन ,साहनीपारा सहित कई गलियों में पानी की धार चलती रही। बगदेही पारा शांति चौक में जलभराव रहा तथा मंदिर परिसर में भी पानी घुस गया।